पंजीयन क्र. 2672 दिनांक 7.3.72 दूरभाष / फैक्स क्र. 0761.2426110

सरस्वती शिक्षा परिषद मध्यप्रदेश

महाकोशल प्रान्त

नरसिंह मंदिर के पीछे, शास्त्री ब्रिज, जबलपुर–482001
web. : www.vidhyabhartimahakoshal.org
E-mail : parishadjbp@gmail.com

परिपत्र क्र. 7 / 2016–17 दिनांकः 10.03.2017

प्रति,

श्रीमान् व्यवस्थापक / प्राचार्य / प्रधानाचार्य
सरस्वती शिशु मंदिर / उच्च.माध्य.विद्यालय
महाकोशल प्रांत

आदरणीय बंधुवर,

सप्रेम नमस्कार

आचार्य चयन की प्रक्रिया निम्नानुसार है –

1. आचार्य चयन परीक्षा कार्यक्रम –

- विज्ञापन देने की तिथि –1 अप्रैल 2017
- विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र स्वीकारने की अंतिम तिथि **10 मई 2017**
- आवेदन पत्रों की संख्यात्मक जानकारी जिला सचिव को भेजने की अंतिम तिथि 12 मई 2017
- परीक्षा की तिथि **1 जून 2017** पूर्वाह्न 11.00 बजे, जिला केन्द्र विद्यालय पर।
- लिखित परीक्षा परिणाम घोषित करना 2 जून 2017
- साक्षात्कार की तिथि 3 से 5 जून 2017
- नवचयनित प्रशिक्षु आचार्यों का नियुक्ति पूर्व प्रशिक्षण 13 से 20 जून 2017 तक।
- परीक्षा शुल्क – 100 / – प्रति आवेदक है। जिसमें से 40 / – प्रति आवेदन पत्र की दर से प्रश्नपत्रों की श्रेणीवार संख्या के साथ **15 मई 2017** को परिषद कार्यालय भेजना।
- परिषद कार्यालय से प्रश्नपत्र वितरण – **25 मई 2017**

आलोक :– आचार्य चयन से सम्बंधित शेष सूचनाओं के लिए **परिपत्र क्र0 7 / 2014–15 दि0 25.4.2015** का कृपया अवलोकन करें।

2. प्रांतीय वैदिक गणित प्रशिक्षण –

दिनांक 1 मई से 10 मई 2017 (30 अप्रैल रात्रि तक उपस्थित)
स्थान – सरस्वती शिशु मंदिर भैरोगंज सिवनी
शुल्क – 1500 / – प्रति प्रतिभागी
सूचना – (1) गणित विषय का अध्यापन करने वाले आचार्य / दीदी को भेजें।
(2) आचार्य वेश, शारीरिक वेश, दैनिक उपयोग की सामग्री साथ लेकर आवें।

3. मेधावी छात्र परीक्षा –

– **तिथि एवं समय** – **22 अप्रैल 2017 को पूर्वाह्न 11.00** बजे से।

– **परीक्षा केन्द्र–** समस्त जिला केन्द्र एवं संकुल केन्द्र के विद्यालय। जिला सचिव अपने जिले में एक से अधिक परीक्षा केन्द्र बना सकते हैं किन्तु मूल्यांकन जिला केन्द्र पर ही सम्पन्न करावें।

– केन्द्राध्यक्ष, जिला सचिव द्वारा नियुक्त किए जावेंगे।

– प्रश्नपत्र परिषद कार्यालय से **दिनांक 18 अप्रैल 2017** को कार्यालय समय में प्राप्त होंगे।

– परीक्षा शुल्क 20/– प्रति परीक्षार्थी है। जिसमें से 10/– परिषद कार्यालय भेजना है।

– परीक्षा शुल्क एवं परीक्षार्थियों की कक्षावार सूची **05 अप्रेल** तक जिला सचिव कार्यालय भेजना अनिवार्य है। कक्षावार छात्र संख्या परिषद को ई–मेल करें।

– पात्रता – कक्षा तृतीय से नवम्–एकादश में अध्ययन करने वाले भैया/बहिन जिन्होंने वार्षिक परीक्षा में 75% अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

4. आगामी सत्र का अर्थ संकल्प, सत्रांत में लेखाबंदी, अंकेक्षण तथा धारा 27–28 की जानकारी–

(1) 31 मार्च की स्थिति में शेष शुल्क की सूची बनाकर लेनदारी पक्ष में अंकित करें तथा आगामी सत्र 2017–18 के लिए बजट (अर्थ संकल्प) तैयार कर उसे प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में रखें तथा इसके पश्चात् साधारण सभा की बैठक में पारित करावें।

(2) वर्तमान सत्र 2016–17 की वार्षिक लेखाबंदी विद्यालय के भंडार एवं परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन करते हुए अनुपयोगी सामग्री का विनष्टीकरण तथा आवश्यक सामग्री को क्रय करने की कार्यवाही करें।

(3) संस्कार केन्द्रों के संचालन हेतु 40 से 50 हजार रुपये तक की राशि का प्रावधान बजट में करें।

(4) वस्तु संग्रह पंजियों का संधारण व्यवस्थित रूप से करें तथा वित्तीय अभिलेखों का अंकेक्षण चार्टर्ड एकाउन्टेंट से करावें।

(5) सत्रांत में साधारण सभा की बैठक की कार्यवाही संपन्न कराकर धारा 27–28 की जानकारी, पंजीयक फर्म्स एवं सोसायटीज कार्यालय एवं परिषद् कार्यालय को 45 दिनों के भीतर प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

5. प्रशिक्षु आचार्यों का मूल्यांकन–

(1) प्रशिक्षु आचार्यों का मूल्यांकन कर उनकी त्रुटियों से उन्हें अवगत करावें तथा लिखित मूल्यांकन द्वारा आगे की सफलता सुनिश्चित करें।

(2) प्रथम आंतरिक मूल्यांकन जुलाई से 30 नवम्बर की स्थिति में पूर्ण कर जिला सचिव को प्रेषित किया जा चुका होगा। द्वितीय आंतरिक मूल्यांकन **31 मार्च 2017** तक जिला सचिव को प्रेषित करें।

(3) प्रथम वर्ष प्रशिक्षु मूल्यांकन की लिखित परीक्षा **दिनांक 20 अप्रैल 2017 को पूर्वाह्न 11 बजे** से जिला केन्द्र पर जिला सचिव की सूचनानुसार होगी। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर अगले वर्ष सेवा का अवसर प्राप्त हो सकेगा। उत्तीर्णांक 50% रहेगा।

(4) द्वितीय वर्ष प्रशिक्षु आंतरिक मूल्यांकन में असफल होने पर साक्षात्कार में सम्मिलित नहीं हो सकेंगे तथा पुनः नियुक्ति पाने की पात्रता नहीं होगी।

(5) द्वितीय वर्ष प्रशिक्षु साक्षात्कार – **दिनांक 21 अप्रैल 2017 को पूर्वाह्न 11 बजे** से जिला सचिव की सूचनानुसार होगा।

6. नियमितीकरण –

(1) द्वितीय वर्ष प्रशिक्षु अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर संबंधित प्रशिक्षु आचार्यों का नियमितीकरण किया जाएगा। किन्तु आगामी वार्षिक वेतनवृद्धि सामान्य प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात देय होगी। इसी प्रकार शिशु वाटिका में कार्यरत् आचार्य/दीदी को आगामी वार्षिक वेतन वृद्धि शिशु वाटिका का 15 दिवसीय शिशुवाटिका सामान्य प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात देय होगी।

(2) नियमित आचार्य को नियुक्ति एवं वेतन पाने की पात्रता 1 जुलाई से होगी।

7. केन्द्रांश, परीक्षा शुल्क एवं वनवासी शिक्षा शुल्क – (2017–18 के लिए)

केन्द्रांश शुल्क–

कक्षा	शुल्क
अरुण से अष्टम् तक	80/–
नवम् से द्वादश तक	100/–

परीक्षा शुल्क–

कक्षा	शुल्क	कक्षा	शुल्क
प्रथम से पंचम् तक	35/–	षष्ठ से अष्टम् तक	50/–
नवम् से दशम तक	60/–	एकादश से द्वादश तक	75/–

वनवासी शिक्षा शुल्क– कक्षा अरुण से द्वादश तक 50/– प्रति भैया/बहिन ।

8. आचार्य अभ्यास वर्ग –

जून मास में विद्यालय स्तर पर आचार्यों के गुणात्मक विकास एवं विद्यालय की वार्षिक कार्ययोजना बनाने के लिये आचार्यों का अभ्यास वर्ग आयोजित करेंगे। अभ्यास वर्ग में लिए जाने वाले विषय निम्नानुसार हैं–

(1) शारीरिक योजना–

व्यायाम योग, समता, खेल, व्यायाम श्रृंखला, क्षमता मूल्यांकन।
योग शिक्षण – यम नियम, आसन, प्राणायाम, मुद्राएँ।

(2) दैनिक उपासना एवं गीत अभ्यास –

वाद्य यंत्रों के साथ वंदना का अभ्यास एवं मंत्रों का अभ्यास व कण्ठस्थीकरण।
वार्षिक एवं मासिक गीतों का अभ्यास।

(3) प्रेरणात्मक विषय –

(1) विद्यालय हमारी साधना स्थली (2) हमारी वंदना (3) हमारा लक्ष्य
(4) मातृभाषा के प्रति प्रतिबद्धता (5) हमारा प्रेरणा स्त्रोत–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(4) शिशु मंदिर योजना के विषय –

(1) वार्षिक कार्ययोजना, दायित्व विभाजन (2) बालिका शिक्षा, शिशु वाटिका
(3) बाल भारती–खेलकूद, बौद्धिक एवं विज्ञान मेला का आयोजन विद्यालय स्तर पर
(4) संस्कृति बोध परियोजना–संस्कृति ज्ञान परीक्षा, निबंध प्रतियोगिता
(5) अभिभावक/मातृसम्मेलन, गोष्ठी एवं संपर्क, मातृभारती का गठन
(6) आधारभूत विषयों का क्रियान्वयन
(7) विषयवार परिषदों का गठन
(8) समर्पण
(9)संस्कार केन्द्र दर्शन एवं एकल आचार्य वनवासी विद्यालय दर्शन की योजना
(10) शारीरिक वार्षिकोत्सव एवं रंगमंचीय कार्यक्रम

(5) शैक्षणिक विषय –

(1) समय सारणी का निर्माण
(2) प्रयोग आधारित शिक्षण व्यवस्था
(3) शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण व संकलन
(4) अपने विषय पर पाठ्यक्रम विभाजन (इकाई वार)
(5) पाठ योजना बनाना
(6) गृहकार्य जाँच की योजना
(7) परीक्षा एवं मूल्यांकन योजना

विशेष सूचना –

1. शिशु मंदिर योजना के विषय एवं शैक्षणिक विषय की विस्तृत कार्ययोजना इस अभ्यास वर्ग में तैयार करना है साथ ही वर्ष की सम्पर्क योजना बनाना है।
2. अभ्यास वर्ग में मार्गदर्शन हेतु प्राचार्य/प्रधानाचार्य स्वयं, समिति के पदाधिकारी/सदस्यों, नगर या जिले के शिक्षाविदों तथा वरिष्ठ अधिकारियों को अवश्य आमंत्रित करें।
3. आचार्य अभ्यास वर्ग का समय इस प्रकार रखें की एक घंटा शारीरिक अनिवार्य रूप से हो।
4. विद्या भारती द्वारा प्रकाशित आधारभूत विषयों के पाठ्यक्रम, शिशु वाटिका पाठ्यक्रम, बालिका शिक्षा पाठ्यक्रम एवं परिषद द्वारा प्रकाशित वार्षिक कार्ययोजना को आचार्य अभ्यास वर्ग का आधार बनावें।
5. संदर्भ हेतु सरस्वती शिशु मंदिर योजना एक परिचय एवं भारतीय शिक्षा के मूल तत्व पुस्तक का अवलोकन करें।
6. सभी सत्रों के संचालन गतिविधि आधारित किया जावे।
7. शिशुवाटिका के आचार्यों का अभ्यास वर्ग एवं वार्षिक कार्ययोजना पृथक से बनाई जावे।

9. 21 जून अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस –

हम सभी जानते हैं कि भारत के सामर्थ्यशाली नेतृत्व के कारण दिनांक 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा लिया गया है। इस कार्यक्रम को अभूतपूर्व बनाने हेतु विद्यालय स्तर पर निम्नलिखित कार्यक्रमों की योजना करना उचित रहेगा।

(1) कार्यक्रम की महत्ता को रेखांकित करने वाले हस्तपत्रक मुद्रित कराकर समाज में वितरण कराना।

(2) नुक्कड़ नाटक, नुक्कड़ सभा के माध्यम से जन सामान्य में प्रचार प्रसार करना।

(3) फेसबुक, व्हाट्सएप जैसे सामाजिक संचार माध्यमों का उपयोग इस आयोजन के प्रचार प्रसार हेतु करना।

(4) समाज के सभी व्यक्तियों के लिए योग शिविर आयोजित करना।

(5) आचार्यों, समिति सदस्यों और सहयोगी अभिभावकों के माध्यम से उनके निवास क्षेत्र में योग के कार्यक्रमों का आयोजन करना।

(6) विद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य शिविर, स्वास्थ्य मेला, स्वास्थ्य परामर्श के कार्यक्रमों का आयोजन करना।

(7) योग विषय पर विद्यालयों में व्याख्यान माला आयोजित करना।

(8) विद्यालय स्तर पर योग दौड़ का आयोजन आवश्यक रुप से करना।

10. वर्ष प्रतिपदा – नवसंवतसर – चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (गुडी पड़वा) संवत् 2074 (दिनांक 29 मार्च 2017) से प्रारंभ हो रहा है इसके उपलक्ष्य में विद्यालयों में निम्नलिखित कार्यक्रम किए जावें–

(1) मित्रों एवं सगे संबंधियों को शुभकामना पत्र भेजना।

(2) विद्यालय में भारतीय गीत संगीत पर आधारित कार्यक्रम करना।

(3) विद्यालय की स्वच्छता, रंगोली, झण्डी आदि से सज्जा एवं रात्रि में बिजली की सजावट करना।

(4) झण्डे बैनर, रंगोली आदि से घरों को सजाना।

(5) अपने घरों के दरवाजों पर दीपक रखना।

(6) भैया/बहिनों एवं आचार्यों की टोली बनाकर घर–घर शुभकामना देना।

(7) इस दिन सभी से भारतीय परिधान धारण करने का आग्रह करना।

11. नवीन सत्र प्रारम्भ – नवीन शिक्षा सत्र 1 अप्रैल 2017 से प्रारम्भ होगा। अतः संपूर्ण तैयारी के साथ शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया जावे। ग्रीष्मावकाश शासन की सूचनानुसार रहेगा।

12. प्रेरणा सदस्यता – आगामी सत्र 2017–18 से प्रेरणा पत्रिका नये कलेवर में सम्पूर्ण बहुरंगीय रूप में प्रकाशित होगी। इस दृष्टि से कागज मूल्यवृद्धि और मुद्रण व्यय वृद्धि जैसे अपरिहार्य कारणों से प्रेरणा पत्रिका का वार्षिक मूल्य रु. 120/– होगा। यह शुल्क माह जुलाई 2017 के अंक से प्रभावशील होगी।

13. देवपुत्र सदस्यता – देवपुत्र पत्रिका में पृष्ठ संख्या बढ़ाने एवं सम्पूर्ण पृष्ठ रंगीन करने के कारण इसके मूल्य में वृद्धि हुई है। आगामी सत्र से अपने विद्यालयों के लिए सामूहिक सदस्यता शुल्क 130/– (एक सौ तीस रुपये मात्र) प्रति अंक रहेगा। यह शुल्क जुलाई 2017 से लागू होगा।

(डॉ0 संतोष अवधिया)
प्रादेशिक सचिव

क्रमांक	
शुल्क पावती क्रमांक	
दिनांक	

आवेदन पत्र का प्रारूप

रंगीन छायाचित्र

सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर .....

आचार्य पद हेतु आवेदन

01. नाम :.....
02. पिता का नाम :.....
03. जन्म दिनांक :.....
04. शैक्षणिक योग्यता :.....

क्र.	स्तर	विषय	प्राप्तांक	प्रतिशत
1.	हा.से.	:.....	.....	
2.	स्नातक	:.....		
3.	स्नातकोत्तर	:.....		
4.	अन्य	:.....		

5. प्रशिक्षण योग्यता :

क्र.	स्तर	विषय	प्राप्तांक	प्रतिशत
1.	डाइट/बी.टी.सी.	:.....		
2.	बी.एड.	:.....		
3.	एम.एड	:.....		

06. अन्य योग्यता–टाईपिंग/कम्प्यूटर/स्काउट/एन.सी.सी. या अन्य उपलब्धि सहित उल्लेख करें .....
07. अभिरुचि–खेल/संगीत/कला/नृत्य या अन्य उपलब्धि सहित उल्लेख करें .....
08. अध्यापन अनुभव (1) संस्था का नाम (2) अध्यापन के वर्ष (3) अध्यापित विषय का नाम एवं कक्षा
....
09. पता : (1) स्थानीय (2) स्थाई (3) दूरभाष
....
10. चयन परीक्षा के लिए स्तर–सहायक शिक्षक/उच्च श्रेणी/व्याख्याता/शिशुवाटिका
.....
11. परीक्षा में लिए गए विषय – (1) ..... (2) .....
(3) ..... (4) .....
(5) ..... (6) .....

हस्ताक्षर आवेदक